भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

वनरक्षियों का शैक्षणिक प्रवास परिभ्रमण/ प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक
06.02.2023 से 10.02.2023

भा वा अ शि प – वन उत्पादकता संस्थान, राँची के प्रभारी निदेशक डॉ. योगेश्वर मिश्रा के निर्देशन एवं विस्तार प्रभागाध्यक्ष श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की (भा.व.से.) के मार्गदर्शन में वनपाल-सह-वनरक्षी प्रशिक्षण विद्यालय, हजारीबाग के 71 वनरक्षियों को अनिवार्य प्रशिक्षण के अंतर्गत विभिन्न विषयों पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उदघाटन करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ० योगेश्वर मिश्रा ने प्रशिक्षनार्थियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण की व्यवस्था का अस्वासन दिया एवं संवाद के माध्यम से अधिक से अधिक परिचर्चा कर प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त करने की सलाह दी।

प्रशिक्षण के प्रथम दिन डॉ० योगेश्वर मिश्रा, निदेशक ने बाँस पौधशाला , बाँस प्रवर्धन एवं प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षण देते हुए बाँस प्रवर्धन के विभिन्न विधियों से अवगत कराया। श्री रवि शंकर प्रसाद, मुख्य तकनीकी अधिकारी ने प्रशिक्षणार्थियों को बाँस वाटिका, पौधशाला एवं अन्य ज्ञानवर्धक अन्य प्रायोगिक शोध प्रक्षेत्रों का भ्रमण कराते हुए बाँस, विभिन्न वृक्षों एवं वनस्पतियों की विभिन्न प्रजातियों की पहचान के विषय में बताया तथा पौध्सला तकनीकों की चर्चा की।

प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्रशिक्षणार्थियों प्राद्यौगिकी प्रदर्शन केंद्र का भ्रमण कराया गया जिसमें श्री बी. डी. पण्डित एवं श्री करम सिंह मुण्डा ने विभिन्न प्रदर्शनों को विस्तार से समझाया। डॉ० आदित्य कुमार, वैज्ञानिक-ई के सहयोगी द्वारा कृषि वानिकी, श्री सुभाष चंदर, वैज्ञानिक-ई के द्वारा जैविक खाद के निर्माण की विधि तथा उसके महत्व पर प्रशिक्षण दिया गया। श्री सतीश कुमार, श्री राकेश कुमार एवं श्री हरेराम साहू के द्वारा मृदा प्रयोगशाला एवं जैव प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला की विभिन्न गतिविधियों से प्रशिक्षनार्थियों को अवगत कराया गया ।

प्रशिक्षण के तीसरे दिन श्री प्रमोद चंद लकड़ा (भा.व.से.), उप वन संरक्षक ने औषधीय पौध विदोहन एवं भण्डारण एवं डॉ० शरद तिवारी, वैज्ञानिक-जी **GIS** एवं रिमोट सेंसिंग के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास के लिए सकारात्मक सोच विषय पर प्रशिक्षण दिया। डॉ० अनिमेष सिन्हा, वैज्ञानिक-ई श्री अतानु सरकार ने उत्तक संवर्धन तकनीक एवं प्रयोगशाला विधियों के विषय में बताया।

चतुर्थ दिन वनकर्मियों को इस संस्थान के एक केंद्र 'वन अनुसन्धान केंद्र, मांडर' का भ्रमण कराया गया जहाँ श्री राकेश कुमार सिन्हा, श्री पवन कुमार सिन्हा, श्री प्रशांत कुमार एवं श्री महेश कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को बाँस पौधशाला निर्माण, बाँस प्रवर्धन तकनीक एवं विदोहन का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया जिसे वन कर्मियों ने उत्साह एवं रुचि के साथ सीखा।

वनरक्षियों का शैक्षणिक प्रवास परिभ्रमण/ प्रशिक्षण कार्यक्रम

06.02.2023 से 10.02.2023

पांचवें दिन श्री करम सिंह मुण्डा एवं श्री बी. डी. पण्डित ने लाह की खेती – रोजगार का साधन, लाह प्रसंस्करण एवं लाह के उत्पाद तथा फ्लेमेंजिया सेमियालाता पर लाह की खेती के वैज्ञानिक विधियों पर प्रशिक्षण दिया। तदनुपरांत श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की(भा.व.से.), उप वन संरक्षक ने वन एवं वन्य जीव प्रबंधन पर प्रशिक्षण देते हुए कान्हा राष्ट्रीय उद्यान के इतिहास को बताया एवं पेट्रोलिंग के विभिन्न तरीकों को समझाया। उन्होंने बारहसिंघा के व्यवहार एवं उनके रहने के लिए उचित परिवेश के विषय में भी बताया। मादा एवं पुरुष बाघ के रहने योग्य परिवेश की व्याख्या की। डॉ० योगेश्वर मिश्रा, निदेशक ने **Seed Ball** तकनीक को बताते हुए इसके निर्माण, सुखाने तथा भण्डारण के विषय में विस्तृत जानकारी दी। दुर्गम क्षेत्रों के लिए तथा मिश्रित वनों के लिए इस तकनीक को काफी उपयोगी बताया। उनहोंने इसके लिए मंत्रालय के द्वारा उठाये गए क़दमों की भी जानकारी दी।

समापन सत्र में श्रीमती अंजना सुचिता तिर्की, उप वन संरक्षक ने संस्थान के विशेषज्ञों द्वारा दिए गए प्रशिक्षण की सराहना की व्यवस्थाओं के लिए विस्तार प्रभाग का भी धन्यवाद किया। श्री धर्मेन्द्र मिश्रा ने विभिन्न विषयों पर प्राप्त प्रशिक्षण को काफी उपयोगी बताया एवं भविष्य में बाँस शिल्पकला, बाँस उत्पाद एवं अन्य प्रायोगिक प्रशिक्षण कराने का आग्रह किया। निदेशक डॉ० योगेश्वर मिश्रा ने वन कर्मियों का धन्यवाद करते हुए उनकी मांगों पर विचार करने का आश्वासन एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। श्री बी.डी. पण्डित ने प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन की घोषणा करते हुए वन कर्मियों का धन्यवाद किया एवं लाह बीजारोपण का प्रायोगिक प्रदर्शन किया।

आयोजित कार्यक्रम सम्मलेन की झलकियां

भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान, रांची